मात्रा, थाट, एक आमद, दो परन, तीन तोड़े, दो चक्करदार तोड़े या परन, तिहाईयां आदि ।

8. निम्नलिखित का अभ्यास– ठुमरी, तराना एवं भजन ।

प्रायोगिक – मंच प्रदर्शन

पूर्णांकः 150

1. आमंत्रित दर्शकों के समक्ष मंच प्रदर्शन ।

कथक नृत्य

एम. ए. अंतिम वर्ष

प्रथम प्रश्न पत्र

समयः 3 घंटा पूर्णांकः 100

1. कथक नृत्य का क्रमिक विकास ।
2. कथक नृत्य प्रदर्शन के वस्तुक्रम का सविस्तार विवरण ।
3. अभिनय की परिभाषा एवं उसके प्रकारों का विस्तृत अध्ययन
4. रासलीला का विस्तृत अध्ययन एवं कत्थक नृत्य से उसका सम्बन्ध ।
5. मार्गी एवं देशी नृत्य का ज्ञान ।
6. नाट्य शास्त्र के आधार पर मृत्युलोक में नाट्य का प्रादुर्भाव
7. विभिन्न शास्त्रीय नृत्य शैलियों का अध्ययन ।
8. कथक नृत्य के निम्नलिखित सुप्रसिद्ध कलाकारों की जीवनियां एवं कथक नृत्य को उनके योगदान की जानकारी– श्रीमती सितारा देवी, सुश्री दमयन्ती जोशी, श्रीमती रोहिणी भाटे एवं श्रीमती कुमुदिनी लाखिया।

Scanned by CamScanner

द्वितीय प्रश्न पत्र

समयः 3 घंटा पूर्णांकः 100

1. नृत्य से सम्बन्धित सामान्य विषयों पर निबन्ध रचना ।
2. प्रायोगिक पाठ्यक्रम में उल्लेखित तालों में तोड़े, परन आदि लिपिबद्ध करने की क्षमता।
3. दिये गये कथानकों में निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर नृत्य नाटिका की संरचना करने की क्षमता –
   कथानक – द्रौपदी वस्त्र हरण, जटायु मोक्ष एवं सीताहरण ।
   बिन्दु – संक्षिप्त कथावस्तु, रंगमंच व्यवस्था, पात्र चयन, वेशभूषा एवं रूप सज्जा, पार्श्व संगीत, ताल एवं रस ।

तृतीय प्रश्न पत्र

समयः 3 घंटा पूर्णांकः 100

1. कथक नृत्य में भाव प्रदर्शन की विविधताओं का ज्ञान।
2. भरतमुनि एवं उनके नाट्यशास्त्र का परिचय ।
3. नायिका भेदों का सविस्तार अध्ययन ।
4. सोलह श्रृंगार एवं बारह आभूषण को नृत्य में प्रस्तुत करने की विधि ।
5. जाति एवं यति के प्रकारों का अध्ययन ।
6. ठुमरी गायकी के सम्बन्ध में संक्षिप्त जानकारी एवं कथक के भाव प्रदर्शन में उसका स्थान ।
7. निम्नलिखित विषयों का संक्षिप्त अध्ययन – पात्र लक्षण, किंकिणी लक्षण, पाद भेद, नृत्त हस्त ।
8. रस निष्पत्ति की व्याख्या विभिन्न विद्वानों के मतानुसार ।

Scanned by CamScanner

प्रायोगिक – मौखिक

पूर्णांकः 300

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो देवताओं की वंदना से सम्बन्धित श्लोक पर भाव प्रदर्शन – शिव वंदना, कृष्ण वंदना एवं सरस्वती वंदना ।
2. ताल त्रिताल में निम्नानुसार नृत्य प्रदर्शन की क्षमता– तिस्त्र एवं मिश्र जाति परन, दरजा, नवहक्का, गणेश परन, शिव तांडव परन, विभिन्न प्रकार के कवित्त, अतीत, अनागत के तोड़े या परन, प्रिमलू एवं तिहाईयां ।
3. रायगढ़ के राजा चक्रधर सिंह द्वारा रचित किन्हीं दो छंदों की प्रस्तुति ।
4. घूंघट एवं मुरली गतनिकास के विविध प्रकारों का प्रदर्शन ।
5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो गतभावों का प्रदर्शन– गोवर्धन लीला, मोहिनी– भस्मासुर एवं होली ।
6. विविध प्रकार के तत्कार एवं लयबांट का विशिष्ट प्रदर्शन ।
7. निम्नलिखित तालों का अध्ययन एवं किन्हीं दो तालों में निम्नानुसार नृत्य प्रदर्शन की क्षमता –
   बसंत ताल (नौ मात्रा), रूद्र ताल (ग्यारह मात्रा), धमार ताल (चौदह मात्रा), थाट, एक आमद, तीन तोड़े, तीन परन, दो चक्करदार तोड़े या परन, एक कवित्त।
8. निम्नलिखित रचनाओं पर भाव प्रदर्शन – चतुरंग एवं ध्रुपद ।
9. ठुमरी एवं भजन पर भाव प्रदर्शन ।

प्रायोगिक – मंच प्रदर्शन

पूर्णांकः: 150

1. आमंत्रित दर्शकों के समक्ष मंच प्रदर्शन ।

Scanned by CamScanner